हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 188 देहरादून, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

चौकी हाथीबड़कला के नवनिर्मित भवन का एसएसपी ने किया लोकार्पण 3

सीएम धामी ने 125 मिलियन टन भण्डारण क्षमता की कोल ब्लॉक का आवंटन मांगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 18 , जनवरी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी से भेंट की। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम 1000 मेगावाट के पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किये जाने के लिए उत्तराखंड राज्य को लगभग 125 मिलियन टन भण्डारण क्षमता की एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण राज्य में द्रुत गति से औद्योगिक विकास हुआ है, जिसके फलस्वरूप विद्युत की मांग में निरन्तर वृद्धि हुई है। सर्दियों के मौसम में बिजली की कमी गंभीर हो जाती है क्योंकि ठंडे तापमान के कारण नदियों में पानी का बहाव कम हो जाता है। राज्य में बिजली की मांग प्रतिवर्ष लगभग 4 से 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और लीन सीजन की अवधि में प्रतिदिन लगभग 4 से 5 मि0यू0 की औसत कमी होती है। औद्योगिकरण बढने के कारण आने वाले वर्षों में विद्युत की मांग और बढने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा की गई संस्तुति के दृष्टिगत राज्य में विद्युत परियोजनाओं के तेज गति से विकास किये जाने के लिए यूजेवीएन लि0 (राज्य सरकार का उपक्रम) और टीएचडीसी इंडिया लि0 के बीच एक संयुक्त उपक्रम (टीएचडीसीआईएल-यूजेवीएनएल एनर्जी कम्पनी लि0) का गठन किया गया है। टीएचडीसी इंडिया लि0 की तापीय विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी अनुभव को ध्यान में रखते हुए राज्य की विद्युत मांग की आपूर्ति हेतु इस नए संयुक्त उपक्रम के माध्यम से एक पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। उत्तराखण्ड राज्य उन कुछ राज्य में से एक है जहां कोई भी थर्मल पावर स्टेशन संचालित नहीं है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखण्ड राज्य को एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने यथासंभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

भूस्खलन न्यूनीकरण और प्रबंधन की दिशा में तेजी से हो कार्य : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जनवरी, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने उत्तराखंड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर के अगले 5 सालों की कार्ययोजना पर सेंटर के अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालय विश्व के सबसे नए एवं ऊंचे पर्वतों में से एक है और भूस्खलन की दृष्टि से हिमालय के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में उत्तराखंड शामिल है। ऐसे में उत्तराखंड में भूस्खलन से सम्बन्धित शोध, अध्ययन के साथ ही उपचार के लिए एक डेडिकेटेड सेंटर बनाया गया है। अब इसे विश्वस्तरीय बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना है ताकि प्रदेश के साथ ही देश और अन्य देशों, जो कि भूस्खलन जैसी आपदा से ग्रस्त हैं, उनको तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से जुड़े विश्व के अन्य संस्थानों के साथ सहभागिता कर के अपनी-अपनी तकनीक और शोध डाटा का आदान-प्रदान कर भूस्खलन न्यूनीकरण और प्रबंधन की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की शिक्षा और शोध कार्यों से जुड़े संस्थानों के छात्रों को अपने संस्थान में इन्टर्नशिप का प्राविधान रखा जाए। उन्होंने सेंटर द्वारा किए गए अध्ययनों का डाटा पोर्टल के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा ओपन सोर्स में रखे जाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी इससे अपनी आवश्यकता के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि वानिकी अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), वन विभाग और यूएलएमएमसी के मध्य आपसी सहयोग के लिए एमओयू साईन किया जाए ताकि एफआरआई के सहयोग से ऐसे पौधों की प्रजातियों के उगाने में सहयोग लिया जा सके, जो भूस्खलन रोकने में सक्षम हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि विश्व के टॉप लेवल के ऐसे संस्थान जो पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, उनके साथ शीघ्र से शीघ्र एमओयू किए जाएं। जो संस्थान ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं उनके साथ प्राथमिकता के आधार पर सहयोग लिया जाए। उन्होंने यूएलएमएमसी द्वारा किए गए सभी अध्ययनों के द्वारा एक डिजीटल मैप तैयार किया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी विभाग को इसमें से किसी भी प्रकार की जानकारी हासिल करनी हो एक क्लिक में वो जानकारी हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों की योजना के प्रत्येक एक्टिविटी की टाईमलाईन निर्धारित कर तय समय में कार्य पूरा कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान निदेशक शांतनु सरकार ने यूएलएमएमसी के अगले 5 वर्षों का रोडमैप मुख्य सचिव के समक्ष रखा। इस अवसर पर सचिव डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा, अपर सचिव डॉ.अहमद इकबाल एवं विनीत कुमार सहित यूएलएमएमसी के वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

धामी चले मोदी की राह होने लगी तारीफ़ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जनवरी , पहले भी आपने सुना होगा कि पीएम मोदी ने अपने उपहारों और तोहफों की नीलामी करवा कर जमा राशि को जनहित में दान किया था और ये सिलसिला जारी है अब इसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी नाम जुड़ गया है जिन्होंने अभिनव पहल को आगे बढाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में उन्हें मिलने वाले उपहारों को लेकर ऐसी ही पहल की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों में उन्हें जो विभिन्न प्रकार के उपहार मिलते हैं, उनके मूल्य का आकलन कर उनकी नीलामी की जाए और इससे मिलने वाली रकम को जनहित के कार्यों में इस्तेमाल किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अभी हाल ही में लोगों से अपील की थी कि किसी समारोह में अतिथियों को बुके की जगह बुक देने की परंपरा शुरू करनी चाहिए। इससे भावी पीढ़ी में ज्ञान का भंडार बढ़ेगा व दिमाग का भी पोषण होगा। पौधा भेंट करना भी बुके का विकल्प हो सकता है। अब, इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने एक और नवीन एवं अभिनव पहल की है। दरअसल, मुख्यमंत्री उत्तराखंड या उत्तराखंड से बाहर कार्यक्रमों में शिरकत करते हैं तो लोग तमाम उपहार उन्हें भेंट करते हैं। शॉल से लेकर पेंटिंग, विभिन्न प्रकार की आकृतियां उन्हें भेंट की जाती हैं।

अब मुख्यमंत्री ने इसे लेकर अपने सचिव विनय शंकर पांडेय को निर्देशित किया है कि उन्हें जो भी उपहार कार्यक्रमों में मिलते हैं उनके मूल्य की गणना कर इनकी नीलामी की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इस नीलामी से प्राप्त होने वाली धनराशि का इस्तेमाल जनहित के विभिन्न कार्यों में इस्तेमाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने इस हेतु सचिव को प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा है ताकि जल्द से जल्द इस कार्य को प्रारंभ किया जा सके।

सेहत से भरपूर सरसों का तेल क्यों है अमेरिका में बैन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , खाना पकाने की बात आए तो तेल के बहुत सारे विकल्प हैं. सरसों का तेल, ऑलिव ऑयल, अलसी का तेल, कनोला ऑयल, नारियल तेल, मूंगफली का तेल, पामोलीन ऑयल और भी बहुत कुछ. लेकिन भारत समेत दुनिया के ज्यारदातर देशों में लोग सरसों का तेल खाना पकाने के लिए इस्तेमाल करते हैं.

इससे सबसे सुरक्षिलत विकल्पों में से एक माना जाता है.लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि अमेरिका में सरसों के तेल से खाना पकाने पर पाबंदी है. वहां लोग इस तेल का इस्ते माल नहीं कर सकते. तो फिर किस तेल में खाना पकाते हैं सरसों के तेल में तमाम औषधीय गुण होते हैं. यह एंटी बैक्टीरियल, एंटिफंगल और एंटीवायरल होता है. शरीर को टॉक्सिन से छुटकारा दिलाता है. दर्द और सूजन कम करता है. अगर किसी को जोड़ों में दर्द हो तो कपूर के साथ गर्म करके लगाने पर दर्द तेजी से दूर हो जाता है. सरसों का तेल हेल्दी बालों और स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद है. भारत के लगभग हर घर में यही तेल खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होता है. लेकिन अमेरिका में इस पर पाबंदी है.

इस वजह से लगाया गया प्रतिबंध

अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनस्ट्रेशन ने सरसों के तेल को खाद्य तेल के रूप में इस्ते माल करने पर पाबंदी लगा रखी है. विभाग के मुताबिक, इस तेल में यूरिक एसिड की मात्रा काफी अधिक होती है. यह सेहत के लिए हानिकारक है. इसे अच्छी तरह से मेटाबोलाइज़ नहीं किया जाता. यह मस्तिष्क की कोशिकाओं के लिए अच्छा नहीं होता. याददाश्त को कम करता है और शरीर में वसा के जमाव को बढ़ाता है. अमेरिका के अलावा यूरोपीय यूनियन और कनाडा में भी खाना बनाने के लिए इसके इस्तेममाल पर रोक है.

फिर किसमें पकाया जाता खाना

अमेरिका में जितना भी सरसों का तेल बिकता है सभी डिब्बों में लिखा होता है एक्सटर्नल उस ओनली. इसका मतलब इसे सिर्फ शरीर के ऊपर उपयोग किया जा सकता है खाया नहीं जा सकता. अब आप सोच रहे होंगे कि फिर वहां खाना किस तेल में पकाया जाता होगा? तो बता दें कि अमेरिका और यूरोप के ज्याकदातर देशों में खाना पकाने के लिये सोयाबीन के तेल का इस्तेमाल किया जाता है.

सोयाबीन के तेल में ओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड होता है, जो कोलेजन को बढ़ावा देता है. इससे शरीर और त्वमचा में लचीलापन आता है. चेहरे की झुर्रियां कम होती हैं. यह मस्तिष्क के विकास में मददगार होता है. सोया तेल में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई भी होता है जो कि स्वस्थ त्वचा व बालों के लिए जरूरी होता है.

शादी के मंडप से दुल्हन गिरफ्तार दूल्हे को भी तलाश रही पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 जनवरी : शादी में आने वाले मेहमानों से वसूली की कई खबरें आपने पढ़ी होंगी. लेकिन मेक्सिको से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है. यहां शादी के मंडप से एक दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया गया. दूल्हे को पुलिस वाले तलाश रहे हैं, ताकि उसे भी हिरासत में लिया जा सके. दोनों पर ऐसे आरोप लगे हैं कि जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेक्सिको में शादी समारोह चल रहा था. दुल्हन सफेद गाउन में पहुंची. कुछ देर बाद दूल्हा भी आया. दोनों केक काटने की तैयारी कर रही थे, तभी पुलिस पहुंच गई और दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया. दूल्हा भागने में कामयाब हो गया. दुल्हन की पहचान नैन्सी एन के रूप में हुई है, जबकि दूल्हे का नाम क्लेमेंट एन बताया गया है. क्लेमेंट एन को स्थानीय लोग 'रैटन' या 'माउस' भी कहते हैं.तस्वीरों में दुल्हन को हथकड़ी में ले जाते दिखाया गया है. मेक्सिको पुलिस के मुताबिक, दोनों पर 22 दिसंबर को मेक्सिको सिटी के पास टोलुका में चिकन व्यापारियों से जबरन वसूली करने का आरोप है. एक पोल्ट्री फार्म के चार कर्मचारियों का भी इन लोगों ने अपहरण किया था, जिसमें कई साथी शामिल थे. इनमें से 6 को गिरफ्तार किया जा चुका है.

अफसरों ने कहा, सभी संगठित अपराधियों के गिरोह ला फैमिलिया मिचोआकेन से जुड़े हुए हैं. ये लोग पोल्ट्री और अंडा व्यवसाइयों से जबरन वसूली करते हैं. न मिलने पर उसके सदस्यों को उठा लेते हैं. फिरौती मांगते हैं. अब तक जो मामले सामने आए हैं, उनसे पता चला है कि इन लोगों ने 47 मिलियन डॉलर से भी अधिक का नुकसान किया है. पुलिस अभी दूल्हे की तलाश कर रही है.

अयोध्या का चमत्कारी पेड़, डाल पर अपने आप उभरता है राम का नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , यूं तो अयोध्या में आस्था के कई केंद्र हैं। लेकिन एक ऐसा पेड़ है, जिसकी टहनी और डाल पर अपने आप प्रभु श्री राम का नाम उभरता है। राम की नगरी अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा क्षेत्र में मौजूद राम नाम वृक्ष लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।कदम प्रजाति के वृक्ष के तने में 30 साल से खुद भगवान राम का नाम उकर जाता है 1 मान्यता के अनुसार हनुमान जी के स्वप्न के बाद इसकी खोज एक गृहस्थ संत ने की 1 कदम प्रजाति के इस वृक्ष की जड़ और डालियों पर भगवान 'राम' का नाम लिखा हुआ है।समय के साथ-साथ इसमें राम नाम की संख्या बढ़ती ही जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दशकों पहले इस वृक्ष पर भगवान राम का नाम लिखा हुआ देखा गया। धीरे-धीरे इसकी संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।

राम मंदिर से होगी सबकी नैया पार, 1 लाख करोड़ का होगा कारोबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , अयोध्या में बनकर तैयार हो रही प्रभु श्रीराम जी के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को पूरे धूम धाम से होगा जिसके लिए खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 दिनों का अनुष्ठान भी रखे हैं लेकिन अब इससे जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। ख़बर के अनुसार देश के कारोबारियों की संस्था कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने 22 जनवरी को देश में 1 लाख करोड़ रुपए के कारोबार होने का अनुमान जताया है।

कैट के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, 'यह आयोजन न केवल धार्मिक भावनाओं को प्रतिध्वनित करता है बल्कि आर्थिक गतिविधियों में भी उछाल लाता है। लोगों का विश्वास देश की पारंपरिक आर्थिक प्रणाली पर आधारित कई नए व्यवसायों को बढ़ा रहा है।कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने इस उत्सव पर देश में 1 लाख करोड़ रुपए के कारोबार होने का अनुमान लगाया है। पहले यह अनुमान 50 हजार करोड़ का था। लेकिन जिस प्रकार से दिल्ली सहित देश भर के लोगों में हो रही राम मंदिर को लेकर ज़बरदस्त उत्साह और कुछ करने का वातावरण बना है तथा देश के 30 शहरों से प्राप्त फीडबैक को देखते हुए कैट ने आज अपने अनुमान को संबोधित करते हुए कहा है कि मंदिर अर्थव्यवस्था से उपजें उस व्यापार का आंकड़ा अब एक लाख करोड़ के व्यापार को पार करेगा।

बाजारों को सजाने के लिए राम झंडे, पटके, टोपी, टी शर्ट व राम मंदिर की आकृति के छपे कुर्ते आदि की बाजार में जबरदस्त मांग है। जिस तरह से राम मंदिर के मॉडल की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए देश भर में 5 करोड़ से अधिक मॉडल की बिक्री होने की संभावना है। मॉडल तैयार करने ही लिए देश के विभिन्न शहरों में दिन रात काम चल रहा है। अकेले दिल्ली में ही 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है।

यही नहीं पैमाने पर म्यूजिकल ग्रुप, ढोल, ताशे, बैंड, शहनाई, नफीरी आदि बजाने वाले कलाकार आगामी दिनों के लिए बुक हो गए हैं। शोभा यात्रा के लिए झांकियां बनाने वाले कारीगरों और कलाकारों को भी बड़ा काम मिला है। देशभर में मिट्टी एवं अन्य वस्तुओं से बने करोड़ों दीपकों की मांग है। बाजारों में रंग बिरंगी रोशनी करने, फूलों की सजावट आदि की भी बड़े पैमाने पर व्यवस्था हो रही है। इसके साथ ही भंडारे आदि के आयोजन से सामान एवं सेवाओं के जरिये एक लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह दोपहर 12.30 बजे शुरू होगा। इसके लिए अयोध्या में तमाम तैयारियां पूरी की जा रही हैं और पूरा देश राममय ने रचा हुआ है जिसके लिए विभिन्न जगहों पर अलग अलग तरीके से इसको सफल बनाने के लिए आयोजन किये जा रहे है।

मंत्री ने गणेश जोशी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जनवरी : कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सचिव कृषि सहित जिला कृषि उद्यान अधिकारियों तक ग्राउंड पर उतरकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।कृषि मंत्री ने अधिकारियों को कृषि एवं उद्यान में वित्तीय वर्ष 2023-24 के आवंटित बजट को समय खर्च करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विभाग द्वारा स्वीकृत बजट को समय पर खर्च न करने पर सचिव कृषि को अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। कृषि मंत्री गणेश गणेश जोशी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं के क्रियान्वयन में लेटलतीफी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी।

कैंप कार्यालय में विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने कृषि एवं उद्यान विभाग की संयुक्त बैठक की गई। समीक्षा के दौरान विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को केंद्र पोषित एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को किसानों को पौधे,बीज, खाद, कृषि उपकरण दवाइयां इत्यादि समय पर उपलब्ध किया जाए। उन्होंने कहा कौन सी फसल का बीज कब किसानों को मिलना चाहिए तथा कौन सी खाद, दवाइयां काश्तकारों की दी जानी है। मंत्री ने टेंडरिंग प्रक्रिया समय पर किया जाए तथा कैलेंडर के अनुरूप बागवानों कृषकों को समय पर उपलब्ध कराने के अधिकारियों को ठोस निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा लापरवाही बरतने पर अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री मधु ग्राम योजना के संबंध में भी अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बागवानों तथा कृषकों के लिए ढुलान हेतु रोप-वे निर्माण की धीमी गति पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए शीघ्र रोप-वे निर्माण के कार्य किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं का बजट समय खर्च किया जाए। कृषि मंत्री ने कहा प्लेट (श्रीअन्न) की अधिक मांग है। उन्होंने कहा प्रदेश में मिलेट्स की अपार संभावनाएं है। मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ाने तथा मिलेट्स के प्रति लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। मंत्री ने कहा मिलेट्स का उत्पादन अधिक से अधिक हो तथा मिलेट्स के सभी उत्पादों का एमएसपी तैयार करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा मिलेट्स के समस्त उत्पादों के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति बनाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को बारिश बर्फबारी न होने के दृष्टिगत कृषकों बागवानों के नुकसान की भरपाई से संबंधित समय पर सभी विभागीय प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को फसल बीमित किसानों काश्तकारों की निरंतर मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए गए हैं। कृषि मंत्री ने सीमांत क्षेत्रों में अखरोट के अपार संभावनाएं को देखते हुए मंत्री ने अधिकारियों को शीघ्र एक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा प्रदेशभर के सभी राजकीय गार्डन की वीडियोग्राफी की जाए और जो गार्डन नहीं चल रहें है,उनको श्रेणी अनुसार पीपीपी मोड़ पर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी देने के संबंध में अधिकारियों को एक ठोस रणनीति बनाने के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों की आय दुगनी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को कैप के माध्यम से भी किसानों को अधिक से अधिक जोड़ा जाए। मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जिन लाभार्थियों को ई-केवाईसी नहीं हो पाई है,उनकी ई-केवाईसी कराई जाए। मंत्री ने अधिकारियों को फूड प्रोसेसिंग पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों को किसान की समस्याओं के निराकरण तथा जानकारी के लिए किसान कॉल सेंटर की स्थापना के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सचिव कृषि विनोद कुमार सुमन, कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, निदेशक कृषि केसी पाठक, आर.के सिंह, महेंद्र पाल सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चौकी हाथीबड़कला के नवनिर्मित भवन का एसएसपी ने किया लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जनवरी : चौकी हाथीबड़कला के नवनिर्मित भवन का एसएसपी देहरादून ने लोकार्पण किया। नये भवन के निर्माण से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं भी मिलेगी। एसएसपी देहरादून ने कहा कि नए भवन के निर्माण से पुलिसकर्मियों को रहने तथा कार्य करने की बेहतर सुविधाएं दी जा रही है। जिससे उनके कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार होगा, पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

चौकी हाथीबड़कला के नवनिर्मित भवन का आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा लोकार्पण किया गया। इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा बताया गया कि चौकी के नवनिर्मित भवन से जहां एक तरफ

स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी वहीं पुलिस कर्मियों को भी कार्य करने तथा रहने की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होगी, जिससे उनके कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

कार्यक्रम के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून तथा सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को चौकी के नये भवन के निर्माण में उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया।उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी डालन वाला, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून, सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारी तथा पुलिस के अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान चलाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 18 जनवरी , सांस्कृतिक उत्सव के अवसर पर नगर निगम ऋषिकेश टीम ने श्री चंद्रेश्वर महादेव मंदिर तथा श्री गुरुद्वारा साहिब ऋषिकेश में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में शैलेंद्र सिंह नेगी नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश के साथ नगर निगम टीम एवं ऋषिकेश के स्थानीय नागरिकों, स्वयं सहायता समूह, भरत मंदिर इंटर कॉलेज के एनसीसी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।

प्रकाश उत्सव के अवसर पर गुरुद्वारा साहिब द्वारा सभी छात्राओं को निशुल्क लंगर खिलाया गया जबकि नगर निगम द्वारा सभी छात्र छात्राओं और इस अभियान में प्रतिभाग करने वाले स्वयंसेवक एवं कर्मचारी को फल एवं जलपान कराया गया । सांस्कृतिक उत्सव के अवसर पर 22 जनवरी तक ऋषिकेश नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्वच्छता अभियान जारी रहेगा। स्वच्छता अभियान में रघुवीर सिंह बिष्ट अध्यक्ष हिल्स डेवलपमेंट मिशन, श्री विनोद जुगलान पर्यावरण विद् ,श्री रमेश रावत सहायक नगर आयुक्त, श्रीमती भारती कर निरीक्षक सहित अनेक व्यक्तियों द्वारा भाग लिया गया।

हापुड़ के फूलों से सजेगा राम मंदिर, भव्य होगा नजारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. 22 जनवरी को भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो जाएंगे. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हापुड़ के फूलों की खुशबू महकेगी. हापुड़ के फूल दुनियां भर में मशहूर हैं. यहां के किसान तेग सिंह प्रधान को अलग-अलग वैरायटियों के करीब 10 टन फूलों का ऑर्डर मिला है. उन्होंने कहा कि 500 वर्षों का सपना पूरा होने जा रहा है और भगवान राम घर में विराजमान हो रहे हैं. ऐसे में उन्हें यह ऑर्डर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है.

आपको बता दे की हापुड़ के सिंभावली क्षेत्र के गांव तिगरी में रहने वाले किसान तेग सिंह प्रधान ने बताया कि वह पिछले 35 सालों से फूलों की खेती कर रहे हैं. उनके यहां करीब एक दर्जन से ज्यादा प्रकार के फूल हैं. अगर गुलाब की ही बात करें तो तेग सिंह के खेत में गुलाब की ही करीब चार-पांच वैरायटियां हैं. जिनमें लाल गुलाब, पीला गुलाब, पिंक गुलाब व अन्य गुलाब हैं. उन्होंने बताया कि उन्हें 10 टन फूलों का ऑर्डर अयोध्या राम मंदिर से मिला है. उनके लिए यह बहुत ही खुशी की बात है कि हापुड़ में उनके द्वारा तैयार किये गये फूलों से अयोध्या का राममंदिर सजेगा और पूरे परिसर को फूलों की महक सुगंधित करेगी.

तेग सिंह ने बताया कि 10 टन फूलों में 100 बॉक्स प्रिंजेथियम, 50 से 60 बॉक्स ऑर्किड, वर्ड ऑफ पैराडाइस, 20 से 25 बॉक्स एंथोरियम के हैं. इसके अलावा कलकत्ते से गेंदा मंगाया गया है, जिसकी लड़ी बनती है. उन्होंने बताया कि क्रंजेथिमम, कनेर सहित कई विभिन्न प्रकार के फूल एक-दो ट्रक प्रत्येक दिन जा रहे हैं. किसान तेग सिंह ने बताया कि उनके यहां सबसे ज्यादा डिमांड रेड गुलाब और पिंक गुलाब की 70 प्रतिशत रहती है, जबकि ऑर्किड, एंथोरियम और वर्ड ऑफ पैराडाइस फूलों की वैरायटी ऐसी है, जो एक बार लगा दें, तो करीब 20 से 25 दिन तक चल जाते हैं.

साथ ही उन्होंने बताया कि 10 टन फूलों के ऑर्डर को 17 तारीख तक अयोध्या भेजे जाएंगे. इन फूलों में गुलाब, गुलदावरी, रजनीगंधा, जिप्सोफला, गेंदा और पांच-छह प्रकार के गुलाब हैं. उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हम अपना फूल रामलला के दरबार में सजाएंगे।

31 जनवरी से पहले अपडेट करवा लें अपना फास्टैग, वरना ...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , कार चलाने वालों के लिए बड़ी खबर आ रही है। 31 जनवरी तक अपना FASTag अपडेट करवा लें, वरना ब्लैकलिस्ट हो सकता है। इसके बाद आपको गाड़ी चलाने में कई दिक्कतें आ सकती हैं। दरअसल, 31 जनवरी 2024 से बिना KYC या फिर आधे-अधूरे KYC अपडेट वाले FASTag को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने इसे लेकर सभी बैंकों को सख्त निर्देश दे दिया है।

फास्टैग अपडेट कराएं

अगर आप भी कार चलाते हैं और सफर में परेशानी से बचना चाहते हैं तो तुरंत ही अपने फास्टैग का केवाईसी अपडेट करवा लें। FASTag यूजर्स बिना किसी देरी के अपने लेटेस्ट फास्टैग का KYC प्रक्रिया पूरा कर लें। इसमें बैंकों की तरफ से पहले से जारी FASTag को छोड़ना होगा। 31 जनवरी के बाद लेटेस्ट FASTag ही एक्टिव रहेगा और पिछले फास्टैग ब्लैकलिस्ट कर दिए जाएंगे।

FASTag अपडेट कराने की जरूरत क्यों

दरअसल, NHAI ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी कर खुलासा किया कि एक ही व्हीकल के लिए कई फास्टैग जारी कर दिए गए हैं। जरूरी केवाईसी प्रक्रिया को पूरा किए बिना ही फास्टैग बांट दिए गए हैं, जो रिजर्व बैंक के नियमों का साफ-साफ उल्लंघन है। इसके बाद ही पुराने फास्टैग को ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है। इतना ही नहीं कई शिकायतें ये भी मिल रही थी कि बहुत से लोग फास्टैग को जानबूझकर गाड़ी की विंडशील्ड पर नहीं लगाते हैं, ताकि टोल प्लाजा पर बेवजह देरी हो। इससे हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर बाकी गाड़ी चलाने वालों को दिक्कतें होती हैं।वर्तमान में फास्टैग की बात करें तो देशभर में करीब 98 प्रतिशत टोल पर फास्टैग से टोल टैक्स लेने की प्रक्रिया जारी है। देश में 8 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी गाड़ी पर फास्टैग का इस्तेमाल कर रहे हैं। FASTag के आने से देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम से काफी कुछ बदल गया है।

टेक्नोलॉजी के वायरस और बीमारियों वाले वायरस में क्या हैं अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , वायरस शब्द सुनते ही हमारे दिमाग में खतरे का अलार्म बजने लगता है. लेकिन इस शब्द को लेकर काफी कन्फ्यूजन है. कुछ लोग इसे टेक्नोलॉजी की देन समझते हैं तो कुछ हेल्थ का मामला बताते हैं. फिर आखिर ये वायरस किसके हिस्से जाता है, टेक जगत में इसके क्या मायने हैं और इससे बचने के क्या तरीके हैं, पूरी कहानी समझिए यहां.

वायरस क्या है? इस सवाल का जवाब काफी आसान है, लेकिन इसे लेकर कुछ लोग अभी भी कन्फ्यूज हैं. वायरस शब्द का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड/ हैकिंग जैसे मामलों के लिए भी किया जाता है और हेल्थ प्रॉब्लम/ बीमारियों के मामले में भी किया जाता है. हालांकि इसका सीधा सा मतलब है- ऐसी चीज जो किसी दूसरी चीज पर असर डाले वो वायरस है. लेकिन अगर आप किसी हेल्थ वायरस को टेक्नोलॉजी से जोड़ रहे हैं तो बेशक आप नासमझ हैं.अब बात आती है कंप्यूटर वाला वायरस किसी हेल्थ वायरस से कैसे अलग है? अगर आप किसी टेक एक्सपर्ट से पूछेंगे तो वो वायरस को किसी सिस्टम फेलियर से जोड़कर बताएगा, वहीं हेल्थ एक्सपर्ट इसे किसी बीमारी जैसे कि कोरोना वायरस से जोड़कर बताएंगे. दोनों का फर्क आगे समझिए...कंप्यूटर वायरस क्या हैकंप्यूटर वायरस कंप्यूटर सिस्टम या दूसरे डिजिटल डिवाइस पर असर डालने वाले प्रोग्राम होते हैं. ये आमतौर पर मैलवेयर वाली फाइलों या सॉफ्टवेयर के जरिए फैलते हैं. कंप्यूटर वायरस डेटा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, सिस्टम को डिसेबल कर सकते हैं, या यहां तक कि गैरजरूरी और गैरकानूनी काम भी कर सकते हैं, जैसे कि किसी की पर्सनल जानकारी को चुराना या सिस्टम को कंट्रोल करना. कंप्यूटर वायरस के जरिए आपके बैंक अकाउंट को हैक कर पैसे निकाले जा सकते हैं. इसका दायरा काफी ज्यादा है.

प्राकृतिक वायरस क्या हैप्राकृतिक वायरस जीवित जीव होते हैं जो केवल जीवित कोशिका में ही बढ़ सकते हैं. ये आमतौर पर किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलते हैं. ये प्राकृतिक वायरस बीमारी और मृत्यु का कारण बन सकते हैं. उदाहरण के लिए, COVID-19 वायरस एक प्राकृतिक वायरस है जजिसकी वजह से कई मौतें हुईं और कई लोग इससे संक्रमित हुए. इसी तरह से निपहा, इबोला और स्वाइन फ्लू हेल्थ वायरस की कटेगरी में आते हैं.कंप्यूटर वायरस और प्राकृतिक वायरस में अंतरकंप्यूटर वायरस और प्राकृतिक वायरस दोनों हानिकारक हो सकते हैं, लेकिन उनके बीच बड़ा अंतर हैं. कंप्यूटर वायरस को प्रोग्राम के रूप में रख सकते हैं. जबकि प्राकृतिक वायरस को जीवों के रूप में रखा जाता है. कंप्यूटर वायरस आमतौर पर डेटा को नुकसान पहुंचाते हैं या सिस्टम को डिसेबल करते हैं, जबकि प्राकृतिक वायरस बीमारी और मौत का कारण बन सकते हैं.

नैनी सैनी हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन दोबारा जल्द होगा शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जनवरी , उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि लंबे समय से बंद पड़े नैनी सैनी हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन दोबारा जल्द शुरू होगा । मुख्यमंत्री ने कहा, ''नैनी सैनी हवाई अड्डे पर 19 सीटों वाले विमान की टेस्ट लैंडिंग सफलतापूर्वक हो चुकी है।नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद यहां से जल्द ही नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल ने जल्द ही शुरू होने वाले पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए एक हजार से ज्यादा पदों को मंजूरी दे दी है उन्होंने कहा,''अल्मोड़ा के बाद पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज इस सीमांत जिले के गरीब लोगों को विशेष मेडिकल सुविधाएं देगा ।'' धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश के दर्शन के लिए जोलिंगकोंग और जागेश्वर धाम के दौरे से उनके धार्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरने का रास्ता प्रशस्त हो गया है ।उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री के दौरे के बाद से जोलिंगकोंग और जागेश्वर धाम में आने वाले पर्यटकों की संख्या में खासा उछाल आया है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले सालों में चार धाम यात्रा की तर्ज पर ये भी बड़े धार्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरेंगे।'

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को गढ़वाल सांसद ने वितरित किए कनेक्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 18 जनवरी : गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रैंतोली स्थित प्राथमिक विद्याल में आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां भी स्थानीय जनता को गिनवाई। वहीं उज्जवला योजना के तहत 21 लाभार्थियों को कनेक्शन एवं अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे महिला समूहों को भी सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर पहाड़ी उत्पाद भी खरीदे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ ग्रामीणों को दिलाते हुए सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित देशों में शामिल करने का लक्ष्य लिया है। लेकिन इसकी शुरुआत अभी से करनी होगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए देश के अंतिम व्यक्ति का विकास होना उसके पास रोजगार होना जरूरी है।

इसी उद्देश्य के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत अंतिम व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जी-20 सम्मेलन में दुनिया भर को पहाड़ी कोदा- झंगोरा खाने में परोसा गया। इससे हमारे पहाड़ी आर्गेनिक खाने को पूरी दुनिया में पहचान मिली है एवं इसका सीधा प्रभाव हमारे किसानों की आर्थिक

■ पारंपरिक अनाज को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी : सांसद

■ गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने रैंतोली में विकसित भारत संकल्प यात्रा में किया प्रतिभाग

स्थिति पर पड़ेगा। कोदा- झंगोरा सहित मोटे अनाज की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

हमारे इस पारंपरिक अनाज को अगली पीढ़ी तक ले जाना हमारी जिम्मेदारी है। सांसद तीरथ सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए आने वाले समय में देश में आधुनिक तकनीकि से खेती पर जोर दिया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने उज्जवला योजना की लाभार्थी कमला देवी, थापा देवी, अनीता देवी, सीमा देवी एवं शुभमनी देवी का कनेक्शन वितरित किए। वहीं अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे अलकनंदा महिला समूह की विजया गैरोला, दक्षिण काली की बबीता पंवार, मन्नत की कल्पेश्वरी देवी एवं नैना देवी की सुधा देवी को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं एवं महिला समूहों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। दक्षिण काली महिला समूह द्वारा माधो सिंह भंडारी जी के संघर्ष एवं समाज के लिए अपने बेटे की बलि देने पर आधारित प्रस्तुति देखकर सांसद समेत पूरा पंडाल भाव- विभोर हो उठा। कार्यक्रम का सफल संचालन किशन रावत ने किया।

समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा विजय कपरवाण, प्रधान लक्ष्मी देवी असवाल, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र

बिष्ट, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल, जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र चौधरी, पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, डीपीएम रीप ब्रह्मकांत भट्ट सहित अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मासिक अपराध गोष्ठी में एसएसपी अजय सिंह ने दिखाये कड़े तेवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जनवरी , एनडीपीएस एक्ट के मामलों में आदतन नशा तस्करों की खोली गई हिस्ट्रीशीट तथा उनकी निगरानी की थानावार की समीक्षा। पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत आदतन अपराधियो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के दिये निर्देश।एनडीपीएस एक्ट में वाणिज्यिक मात्रा के लम्बित अभियोगो की समीक्षा कर अभियुक्तों द्वारा अर्जित अवैध सम्पत्ति के चिन्हीकरण की कार्यवाही करने के दिये निर्देश।लम्बित शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा कर उनके लम्बित रहने के कारणो की ली गई जानकारी, शीघ्र निस्तारण के दिये निर्देश, प्रार्थना पत्रों को अकारण लम्बित रखने पर संबंधित थानाध्यक्षों के विरूद्व भी की जायेगी कार्रवाही

पुलिस कार्यालय देहरादून में जनपद देहरादून के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी की गई। गोष्ठी के दौरान एसएसपी ने अपराधों की समीक्षा के साथ-साथ उपस्थित अधिकारियों को ये दिशा-निर्देश दिये -

01: गैंगस्टर एक्ट के लम्बित अभियोगो की समीक्षा के दौरान जिन अभियुक्तों की सम्पत्ति चिन्हिकरण की कार्यवाही नहीं की गई है उनके कारणों की जानकारी ली, साथ ही गैंगस्टर एक्ट में फरार अभियुक्तों पर ईनाम घोषित करवाने हेतु सभी थाना प्रभारियो को निर्देश दिये गये।

02: एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत जिन आदतन नशा तस्करों की पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीट खोली गई थी, उनके विरूद्ध की गई कार्यवाही तथा उनकी अध्यतन स्थिती की जानकारी प्राप्त की गई।

■ प्रभावी कार्यवाही न करने वाले थानेदारो के कसे पेंच

■ अभियुक्तों के विरूद्ध प्रभावी विधिक कार्यवाही के दिये निर्देश

03: नशा तस्करी में लिप्त आदतन अपराधियों के विरूद्ध पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही करने तथा एनडीपीएस एक्ट में वाणिज्यिक मात्रा के लम्बित अभियोगो की समीक्षा करते हुए उनके लम्बित रहने के कारणों के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही ऐसे सभी नशा तस्करों द्वारा अर्जित अवैध सम्पत्ति के चिन्हिकरण तथा उसके जब्तीकरण हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

04: वर्तमान में अस्थाई अतिक्रमण के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अन्य सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कार्यवाही करते हुए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

05: सभी थाना प्रभारियों को गौकशी, पशु क्रूरता तथा अवैध पशु कटान में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये, साथ ही स्पष्ट किया कि उक्त पृवृत्ति के अपराधों को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यदि किसी थाना क्षेत्र में अवैध रूप से पशु कटान, गौकशी या अवैध मांस की बिक्री से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त होती हैं तो सम्बन्धित थाना प्रभारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

06: विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा के दौरान 02 माह से अधिक अवधि से लम्बित प्रार्थना पत्रों के विभिन्न स्तरों पर लम्बित रहने के कारणों तथा उनके निस्तारण में आ रही दिक्कतों की जानकारी लेते हुए उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये गये। साथ ही थाना स्तर पर प्रार्थना पत्रो के अनावश्यक रूप से लम्बित रहने पर सम्बन्धित थानाध्यक्ष की भी जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही गयी।

07: मां0 न्यायालय से प्राप्त होने वाले सम्मन व वारंटों की शत प्रतिशत तामिली तथा तामीली की रिपोर्ट समय से मां0 न्यायालय को प्रेषित किये जाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

08: सडक दुर्घटनाओं के मामले में एमईसीटी की रिपोर्ट को 48 घण्टों के अंदर अनिवार्य रूप से सम्बन्धित को भेजने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्व एल्कोमीटर से चेकिंग कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

09: विभिन्न थानों में स्थानान्तरित किये गये पुलिस कर्मियों को स्थानान्तरण पर अवमुक्त न करने पर नाराजगी व्यक्त करतें हुए सभी थाना प्रभारियों को तत्काल ऐसे पुलिस कर्मियों को स्थानान्तरण पर रवाना करने के निर्देश दिये गये।

10: सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले विभिन्न शोभा यात्राओं, जूलुसो आदि की अनुमति देने से पूर्व सम्बन्धित आयोजकों के साथ वार्ता कर उन्हें निर्धारित अवधि, जिसकी उन्हें अनुमति दी जा रही है, के भीतर ही उक्त शोभा यात्राओ/जूलुसो के आयोजन पूर्ण करने के सम्बंध में अवगत कराया जाए तथा निर्धारित समयावधि के पश्चात ऐसे आयोजनों की अनुमति न दी जाए। सभी थाना प्रभारी आदेशों का कडाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

राम मंदिर निर्माण में देहरादून की शकुन्तला बिष्ट का अपूर्व योगदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , अयोध्या में निर्माणाधीन श्री राम मंदिर 22 जनवरी से हिंदू धर्मावलंबियों की आस्था के बड़े केंद्र के रूप में पुनर्स्थापित हो रहा है । इसकी नींव में जो पत्थर है – उनका उत्तराखंड से अटूट संबंध है। राम मंदिर आंदोलन में बढ़ चढ़ कर योगदान देने वाले महंत दिग्विजय नाथ, महंत अवैद्यनाथ और महंत योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड से हैं किंतु देहरादून की एक बेटी शकुंतला बिष्ट भी इस यज्ञ में शरीक रही हैं। इतिहास के पन्नों में इसका बोध उत्तराखंडी स्वाभिमान को अपने चरम पर पहुंचाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सन 1949 में जब अयोध्या में रामलला जन्मभूमि स्थित विवादित परिसर में प्रकट हुए तो वहां तुरंत ही पूजन प्रक्रिया आरंभ हो गई थी। उस सम्पूर्ण प्रक्रिया में तत्कालीन फैजाबाद के कलेक्टर के.के. नायर के साथ उनकी पत्नी शकुन्तला बिष्ट नायर ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

1949 में फैजाबाद के कलेक्टर के.के. नायर और पत्नी शकुन्तला बिष्ट नायर ने निभाई रामलला विराजने में भूमिका

तत्कालीन प्रधानमंत्री से लेकर संयुक्त प्रांत के मुख्यमंत्री तक ने परिसर से देव प्रतिमाओं को हटाने के निर्देश दिए- किंतु फैजाबाद के तत्कालीन कलेक्टर के.के. नायर ने यह कृत्य करने से साफ इनकार कर दिया। इस पर सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया लेकिन उच्च न्यायालय ने उनका निलंबन निरस्त कर दिया था। बाद में 1952 में उन्होंने आईसीएस की नौकरी से स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ले ली। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी प्रेरणा शक्ति और अत्यंत धर्मभीरू उनकी पत्नी शकुंतला बिष्ट उत्तराखंड मूल की थी।

देहरादून के दिलीप सिंह बिष्ट के संपन्न परिवार में जन्मी शकुन्तला बिष्ट विनबर्ग एलन गर्ल्स हाई स्कूल मसूरी में पढ़ी हैं। वहां वह केरल मूल के निवासी और यूपी कैडर के आईसीएस अधिकारी के. के. नायर के संपर्क में आई और इसी मुलाकात में दोनों में प्रगाढ़ता इस कदर बढ़ी कि 20 अप्रैल 1946 को वे दोनों एक दूजे के लिए परिणय सूत्र में बंध गए। शकुन्तला बिष्ट ने इसके साथ ही बिष्ट सरनेम के साथ नायर जुड़ गया। श्रीमती शकुन्तला के पति पति क डां ग ला थि ल करुणाकरण नायर यानी के.के. नायर का जन्म 11 सितंबर 1907 को केरल के एल्लेप्पी में हुआ था। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय, बारासेनी कॉलेज, अलीगढ़ (आगरा विश्वविद्यालय) और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से पढ़ाई की।

1930 में वह भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए और गोंडा (1946), फैजाबाद (1 जून 1949 – 14 मार्च 1950) तक उत्तर प्रदेश में विभिन्न जिलों में कलेक्टर सहित कई पदों पर कार्य किया।अत्यंत स्वाभिमानी के.के. नायर ने 1952 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत की प्रैक्टिस शुरू की। नायर अत्यंत धर्म परायण व्यक्ति थे। शायद यही कारण था कि आज जिस राम मंदिर के लोकार्पण के स्वप्न को सनातन धर्मावलंबी साकार होते देख रहे हैं – उसकी नींव रखने में के.के. नायर और उनकी पत्नी शकुन्तला बिष्ट नायर का बहुत बड़ा योगदान है।

सेवानिवृत्ति के बाद नायर दंपत्ति ने देवीपाटन और फैजाबाद (अब अयोध्या) को ही अपना कर्मक्षेत्र बनाया और वहीं स्थाई निवास भी बना दिया। इस दंपत्ति के राम मंदिर की आधारशिला बनने का ही नतीजा था कि श्रीमती शकुन्तला नायर 1952 में गोंडा वेस्ट (अब कैसरगंज) सीट से लोकसभा के चुनाव में वे हिंदू महासभा के टिकट पर भारी बहुमत से विजयी हुई। वह 1962 से 1967 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्य रहीं और 1967 में जनसंघ के उम्मीदवार के रूप में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुनी गईं।

वे कुल तीन बार लोकसभा के लिए चुनी गई हैं। इस दंपती के प्रति लोगों की अगाध आस्था ने उन्हें प्रखर हिंदुत्व का प्रतीक बना दिया। लोगों की श्रद्धा का आलम इस कदर रहा कि 1967 के लोकसभा चुनाव में उनके ड्राइवर भी चुनाव जीतने में सफल हो गए। ऐसे उदाहरण बहुत बिरले मिलते हैं।श्रीमती शकुन्तला बिष्ट नैयर आज इस दुनिया में नहीं हैं किंतु उनकी आत्मा आज राममंदिर की परिकल्पना को साकार होते देख निश्चित रूप से प्रफुल्लित हो रही होगी।

इंडोनेशिया में किस नाम से जानी जाती है राम की राजधानी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , भारत की रामायण में राम की नगरी का नाम अयोध्या बताया गया है, जहां प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां चल रही हैं. दूसरी ओर, इंडोनेशिया की रामकथा में इसे योग्या के नाम से जाना जाता है. इंडोनेशिया में राम कथा को ककनिन या काकावीन रामायण के नाम से जाना जाता है. इंडोनेशिया की इस रामायण के रचयिता कवि योगेश्वर माने जाते हैं, जो 26 अध्यायों वाला एक बड़ा ग्रंथ है. इस रामायण में राजा दशरथ को विश्वरंजन कहा जाता है, जो एक शैव यानी शिव की आराधना करने वाले हैं.सीता का नाम है सिंताइंडोनेशिया की रामायण की शुरुआत राम के जन्म से होती है. दशरथ के घर बेटे के जन्म के साथ ही गामलान नामक वाद्य यंत्र बजने लगता है. इसमें बताया गया है कि राम और लक्ष्मण जब महर्षि विश्वामित्र के साथ जाते हैं तो सभी ऋषियों की ओर से मंगलाचरण होता है. वहीं इंडोनेशिया की रामायण में लक्ष्मण को नौसेना का अध्यक्ष बताया गया है और सीता को सिंता कहा गया है.हनुमान हैं सबसे प्रसिद्ध किरदारइंडोनेशिया की रामायण में हनुमान सबसे ज्यादा प्रसिद्ध हैं और वहां रामकथा में हनुमान को अनोमान कहा गया है. हनुमान वहां कितने प्रसिद्ध हैं, इसका पता इसी बात से लग जाता है कि आज भी इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम देश की आजादी का जश्न मनाया जाता है तो इसकी राजधानी जकार्ता में सड़कों पर अनोमान यानी हनुमान का वेश बनाकर बड़ी संख्या में युवा सरकारी परेड तक में शामिल होते हैं. यह आयोजन हर साल 27 दिसंबर को होता है.अयोध्या में इंडोनेशियाई कलाकार करेंगे राम चरित्र का प्रदर्शनइंडोनेशिया में भी वहां की रामायण पर आधारित रामलीला का मंचन किया जाता है. वहां की सरकार ने भारत सरकार से मांग की थी कि यहां भी इंडोनेशिया की रामायण पर आधारित रामायण का मंचन किया जाए. इंडोनेशिया सरकार चाहती थी कि वहां की रामायण का भारत के कई शहरों में साल में कम से कम दो बार मंचन किया जाए, जिसकी व्यवस्था वह खुद करेगी. अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान भी इंडोनेशिया की रामायण का मंचन किया जाएगा.

टेक्नोलॉजी के वायरस और बीमारियों वाले वायरस में क्या हैं अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , वायरस शब्द सुनते ही हमारे दिमाग में खतरे का अलार्म बजने लगता है. लेकिन इस शब्द को लेकर काफी कन्फ्यूजन है. कुछ लोग इसे टेक्नोलॉजी की देन समझते हैं तो कुछ हेल्थ का मामला बताते हैं. फिर आखिर ये वायरस किसके हिस्से जाता है, टेक जगत में इसके क्या मायने हैं और इससे बचने के क्या तरीके हैं, पूरी कहानी समझिए यहां.

वायरस क्या है? इस सवाल का जवाब काफी आसान है, लेकिन इसे लेकर कुछ लोग अभी भी कन्फ्यूज हैं. वायरस शब्द का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड/ हैकिंग जैसे मामलों के लिए भी किया जाता है और हेल्थ प्रॉब्लम/ बीमारियों के मामले में भी किया जाता है. हालांकि इसका सीधा सा मतलब है- ऐसी चीज जो किसी दूसरी चीज पर असर डाले वो वायरस है. लेकिन अगर आप किसी हेल्थ वायरस को टेक्नोलॉजी से जोड़ रहे हैं तो बेशक आप नासमझ हैं.अब बात आती है कंप्यूटर वाला वायरस किसी हेल्थ वायरस से कैसे अलग है? अगर आप किसी टेक एक्सपर्ट से पूछेंगे तो वो वायरस को किसी सिस्टम फेलियर से जोड़कर बताएगा, वहीं हेल्थ एक्सपर्ट इसे किसी बीमारी जैसे कि कोरोना वायरस से जोड़कर बताएंगे. दोनों का फर्क आगे समझिए...कंप्यूटर वायरस क्या हैकंप्यूटर वायरस कंप्यूटर सिस्टम या दूसरे डिजिटल डिवाइस पर असर डालने वाले प्रोग्राम होते हैं. ये आमतौर पर मैलवेयर वाली फाइलों या सॉफ्टवेयर के जरिए फैलते हैं. कंप्यूटर वायरस डेटा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, सिस्टम को डिसेबल कर सकते हैं, या यहां तक कि गैरजरूरी और गैरकानूनी काम भी कर सकते हैं, जैसे कि किसी की पर्सनल जानकारी को चुराना या सिस्टम को कंट्रोल करना. कंप्यूटर वायरस के जरिए आपके बैंक अकाउंट को हैक कर पैसे निकाले जा सकते हैं. इसका दायरा काफी ज्यादा है.

प्राकृतिक वायरस क्या हैप्राकृतिक वायरस जीवित जीव होते हैं जो केवल जीवित कोशिका में ही बढ़ सकते हैं. ये आमतौर पर किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलते हैं. ये प्राकृतिक वायरस बीमारी और मृत्यु का कारण बन सकते हैं. उदाहरण के लिए, COVID-19 वायरस एक प्राकृतिक वायरस है जजिसकी वजह से कई मौतें हुईं और कई लोग इससे संक्रमित हुए. इसी तरह से निपहा, इबोला और स्वाइन फ्लू हेल्थ वायरस की कटेगरी में आते हैं.कंप्यूटर वायरस और प्राकृतिक वायरस में अंतरकंप्यूटर वायरस और प्राकृतिक वायरस दोनों हानिकारक हो सकते हैं, लेकिन उनके बीच बड़ा अंतर हैं. कंप्यूटर वायरस को प्रोग्राम के रूप में रख सकते हैं. जबकि प्राकृतिक वायरस को जीवों के रूप में रखा जाता है. कंप्यूटर वायरस आमतौर पर डेटा को नुकसान पहुंचाते हैं या सिस्टम को डिसेबल करते हैं, जबकि प्राकृतिक वायरस बीमारी और मौत का कारण बन सकते हैं.

चारधाम यात्रा-2024 की तैयारियों में जुटे सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जनवरी , चारधाम यात्रा-2024 प्रारंभ होने से पूर्व सभी सड़कों को दुरुस्त करने के साथ-साथ वैकल्पिक मार्गो की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए डेस्टिनेशन स्थलों तक पर्यटकों और यात्रियों के पहुंचने के लिए सड़कों का उचित प्रबंध किया जाए। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा-2024 की पूर्व तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित एक बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों से ये बातें कही। कैबिनेट मंत्री महाराज ने बैठक के दौरान उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा सभी तैयारियों को समय से पूरा कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी व्यक्तिगत रूप से यात्रा मांगों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे।

वैकल्पिक मार्गो को चुस्त दुरुस्त करने के निर्देश

महाराज ने कहा कि चार धाम यात्रा के दौरान तोता घाटी के समीप होने वाले भूस्खलन को देखते हुए श्रीनगर के समीप यात्रियों को मार्ग अवरुद्ध होने की जानकारी देने के लिए आवश्यक उपाय किए जाएं। उन्होंने डंपिंग जोनों का समतलीकरण कर ऐसे स्थानों को पार्किंग के रूप में उपयोग किया जाए। उन्होंने आरटीओ को सभी सड़कों के मौका मुआयना करने के निर्देश देते हुए पर्यटकों और यात्रियों की समस्याओं को सुनने और उसके त्वरित समाधान के लिए पर्यटन पुलिस को दक्ष किए जाने के साथ-साथ उनकी एक पोशाक भी निर्धारित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अक्सर चारधाम यात्रा के दौरान घोड़े खच्चरों के प्रताड़ना की खबरें प्रमुखता से सुनाई देती हैं इस पर अंकुश लगना चाहिए। अवरुद्ध सड़कों को खोलने की तुरंत व्यवस्था होनी चाहिए।

पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि आपदा की स्थिति में एअरलिफ्टिंग और एयर एंबुलेंस की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। उन्होंने चार धाम यात्रा के दौरान सुचारू पेयजल आपूर्ति किए जाने के साथ-साथ नियमित पेयजल आपूर्ति की दशा में वैकल्पिक व्यवस्था भी किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। चारधाम यात्रा 2024 की तैयारियों के तहत कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जिला प्रशासन से चारधाम यात्रा के सभी पैदल मार्गो गौरीकुंड-केदारनाथ,

जानकी चट्टी यमुनोत्री हेतु आवश्यक घोड़े खच्चरों व डंडे-कंडी की व्यवस्था तथा उनकी दरों के निर्धारण पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही।

बैठक में बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, पर्यटन विकास परिषद के अपर मुख्य अधिकारी युगल किशोर पंत, अपर सचिव गृह रिद्धिमा अग्रवाल, लोनिवि के सचिव पंकज पांडेय, मुख्यमंत्री के सलाहकार बी.डी. सिंह, बीकेटीसी के अनिल ध्यानी, जीएमवीएन की विप्रा त्रिवेदी, आर.पी. सकलानी, ऋषिकेश के एआरटीओ अरविन्द पाण्डेय, लोनिवि के प्रमुख अभियंता दीपक कुमार यादव, बीएसएनएल के डीजीएम पी के शर्मा, एनएच के दयानंद सहित रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जनपदों के अधिकारियों ने वर्चुअल बैठक में प्रतिभा किया।

संपादकीय

क्या 'राम मंदिर' सियासत है?

अयोध्या में प्रभु राम का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह विशुद्ध रूप से 'धार्मिक' है। राम मंदिर से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, लेकिन इस समारोह से भाजपा को 'राजनीतिक लाभ' होना निश्चित है। धार्मिक और राजनीतिक के अंतर को समझना अनिवार्य है। एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन को 'राजनीतिक' करार देना अपरिपक्वता है। महज कोसते रहने से कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। महात्मा गांधी ने 'राम राज्य', 'हिंद स्वराज' को व्यापक स्तर पर परिभाषित किया था, लेकिन वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के खिलाफ थे। उनके दर्शन, उनकी आस्था और उनके राष्ट्रवाद को भारत ने गहराई से समझा और स्वीकार किया, नतीजतन वह 'महात्मा' बन पाए। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी को यह आत्मसात करते हुए अयोध्या पर अपने विचार देने चाहिए। कांग्रेस की राजनीति और धार्मिकता को पुनः परिभाषित करना चाहिए। भाजपा की तरह बनना अथवा भाजपा के राष्ट्रीय, आस्थामयी मुद्दे की सपाट आलोचना करना भाजपा को ही सशक्त करना होगा। राहुल गांधी ने इस बार धर्म को जिस तरह परिभाषित किया है और राम मंदिर को आरएसएस-भाजपा का 'राजनीतिक कार्यक्रम' करार दिया है, उसने कांग्रेस को ही उघाड़ कर रख दिया है। शायद राहुल को जानकारी नहीं होगी अथवा उनके सलाहकार भी अनाड़ी होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी हत्या से कुछ दिन पहले कहा था कि यदि कोई बाबरी मस्जिद को छूने की कोशिश करेगा, तो पहले उसे उन्हें मारना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण प्रसंग है कि राजीव गांधी ने 1989 में कांग्रेस का चुनाव-प्रचार फैजाबाद (तब अयोध्या का नाम) से शुरू किया था। कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने 1998 से 2004 के बीच कई बार बयान दिए थे कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस नहीं होना चाहिए था। यदि गांधी परिवार का कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में होता, तो मस्जिद को ढहाने नहीं देता। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि जब भी बाबरी मस्जिद की याद आती है, तो आंखों में आंसू आ जाते हैं। बहरहाल अब मस्जिद बनाम मंदिर के ऐसे बयान बेमानी हैं, क्योंकि संविधान पीठ के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर बन रहा है, लेकिन राहुल गांधी ने जिस तरह धर्म की व्याख्या की है और प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा को महज एक राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया है, वह उनका दोगलापन है। इसका भी एक तार्किक आधार है। राहुल गांधी बीते दिनों जब केदारनाथ धाम की यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने ऐसा वस्त्र धारण किया था, जिस पर ओउम लिखा हुआ था। राहुल गांधी गुजरात चुनाव के दौरान 27 मंदिरों में गए, पूजा-पाठ किए, रुद्राक्ष धारण किए, मस्तक पर चंदन और अन्य लेप लगाए, तो उसे क्या कहेंगे? वह धर्म था अथवा धर्म के जरिए राजनीति करने का व्यवहार था! मध्यप्रदेश चुनाव के दौरान वह कमलनाथ के साथ एक मंदिर से बाहर आए थे, तो पूरी तरह धार्मिक लिबास और श्रृंगार में थे। ऐसे अवसरों पर उनका धर्म राजनीति से अलग क्यों नहीं रह पाता? राहुल गांधी को अपने कथन और व्यवहार में फर्क नहीं करना चाहिए, क्योंकि जनता उसी के आधार पर नेता और पार्टी की राजनीति को आंकती है। राम मंदिर को लेकर बहुत लंबा आंदोलन चला है और संघर्ष किया गया है। उसमें आरएसएस, विहिप और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ही शामिल थे। असंख्य लोगों ने बलिदान भी दिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की ओर से इमरान प्रतापगढ़ी ने पेश की चादर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अजमेर 18 जनवरी : ख्वाजा गरीब नवाज के 812 वें उर्स के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ओर से सुल्तान-ए-हिंद गरीब नवाज की दरगाह पर चादर पेश की गई। बताते चलें कि राजधानी दिल्ली से कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी यह पारंपरिक चादर लेकर राजस्थान पहुंचे। कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने सबसे पहले चादर पेश कर मुल्क की खुशहाली, अमनो अमान, भाई चारे की दुआ मांगी और जियारत के बाद दरगाह के बुलंद दरवाजा से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जायरीन के नाम भेजे संदेश को पढ़ा। अपने संदेश में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंतहाई अकीदत और एहतराम के साथ मैं ख्वाजा गरीब नवाज़ मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेर के 812वें उर्स मुबारक मौके पर अपनी और पूरी कांग्रेस पार्टी की जानिब से ख्वाजा की बारगाह में चादर रवाना करते हुए खुद को बेहद खुशकिस्मत पा रहा हूं।

ख्याल रहे कि पुरखुलूस जज़्बात और अकीदत के साथ सुल्तान उल हिंद के आस्ताना मुबारक पर चादर चढ़ाई जाती है चादर चढ़ाने का यह हसीन मौका हमारे वतन की गंगा-जमुनी तहज़ीब, कौमी एकता, आपसी भाईचारे, प्यार और मोहब्बत, अदब और रवादारी की अलामत है। इससे पूरी दुनिया में यही पैगाम जाता है कि हिंदुस्तान में कौमी इत्तेहाद और भाईचारा की जड़े इंतहाई गहरी हैं। अजमेर में इस विश्व प्रसिद्ध दरगाह पर उर्स मुबारक के मौके पर सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के साथ चादर पेश

करते समय अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष आबिद काग़ज़ी, विधायकगण रफ़ीक़ ख़ान और अमीन काग़ज़ी, ज़ाकिर हुसैन, एम.डी. चोपदार जी, रूबी खान, DCC अजमेर अध्यक्ष विजय जैन, पूर्व मंत्री नसीम अख़्तर, प्रभारी शकील नवाज़, सह प्रभारी इक़बाल अहमद जी, इंसाफ़ आज़ाद, उत्तर प्रदेश प्रभारी शाकिर अली, मीडिया विभाग के इंचार्ज सैय्यद अदनान अशरफ, महाराष्ट्र प्रभारी अहमद खान, दिल्ली चेयरमैन वाहिद क़ुरैशी, ताबिश पटेल, महमूद खान, शमीम अल्वी, निज़ामुद्दीन क़ुरैशी, फहीम क़ुरैशी, लियाकत गद्दी मौजूद रहे।

बॉस हो तो ऐसा.. फ्री में 1200 कर्मचारियों को कराई विदेश की सैर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जनवरी , ज्यादातर लोगों को आपने भी ये बोलते हुए सुना होगा कि प्राइवेट जॉब किसी टॉर्चर से कम नहीं होता है। स्पेशली प्राइवेट में अगर आपका टारगेट पूरा नहीं हुआ तो आपको छुट्टियों में एक्स्ट्रा काम करना पड़ता है। ऐसे में यदि हम आपको एक ऐसे कंपनी के बारे में बताएं, जो अपने कर्मचाइयों को एक से बढ़कर एक महंगे महंगे ट्रिप्स करा रही हों, तो इसे जानकर आपको हैरानी होगी।प्राइवेट जॉब करने वाले एंप्लॉयज को ज्यादातर छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं। यहां तक कि उन्हें तीज से लेकर के त्योहार तक में ऑफिस जाना पड़ता है। ऐसे में प्राइवेट जॉब से जुड़े इस मिथक को खत्म करने कि कोशिश सिटाडेल नामक कंपनी ने की है। इन्होंने हाल ही में अपने कर्मचारियों को छुट्टियों में भेजा है। ताकि ऑफिस एंप्लॉयस के साथ परिवार के साथ भी अपना टाइम एंजॉय कर सके।

परिवार सहित प्लान करेंगे ट्रिप

क्रेन ग्रिफिन जो कि Citadel company के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं , इन्होंने अपने 1200 एंप्लॉय को सपरिवार तीन दिन के ट्रिप में डिजनीलैंड भेजने का प्रपोजल रखा है। इन कर्मचारियों में सिंगापुर, हॉन्ग कॉन्ग, सिडनी, संघाई , टोक्यो और भारत देश के गुरुग्राम के कर्मचारी भी शामिल होंगें। ट्रिप के लिए हर तरह का अरेंजमेंट कंपनी करेगी। इसे सुनकर Citadel के कर्मचारी खुशी से झूम रहे हैं।

वहीं, Citadel company जैसी और भी कंपनियां मौजूद हैं। अमेरिका में भी Spanx नाम की अंडरगार्मेंट की कंपनी चलाने वाली सारा ब्लेकली (Sara Blakely) ने भी अपने कर्मचारियों को बोनस के तौर पर $ 10,000 यानि भारतीय मुद्रा में तकरीबन 8 लाख रूपए दो फर्स्ट क्लास के प्लेन टिकट दिए थे, जिससे वो कहीं भी घूम सकते थे।

वन विभाग की पैनी नज़र और फुर्तीली कार्यशैली से बेलगाम गुलदार फिलहाल रफूचक्कर

बेलगाम गुलदार पर लगाम लगाने के हॉफ अनूप मलिक के सख्त निर्देश

- पीसीसीएफ (वन्य जीव) डॉ. समीर सिन्हा और डीएफओ मसूरी वैभव सिंह ने खुद संभाल ली है कमान
- कन्ट्रोल रूम का नं0-0135, 6617375 whatsapp नं० 8077508488 है।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,17 जनवरी। राजधानी में बेलगाम गुलदार की लगाम कसने के लिए उत्तराखंड वन विभाग ने कमर कस ली है, हॉफ अनूप मलिक के सख्त निर्देशो के क्रम में पीसीसीएफ वन्य जीव डॉ. समीर सिन्हा ने ठोस रणनीति अपनाते हुए डीएफओ मसूरी वैभव सिंह को फील्ड में उतार दिया है, डॉ. समीर सिन्हा खुद चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे है तो डीएफओ मसूरी की अगुवाही में 50 वन कर्मियों के दल द्वारा आईटी पार्क, वृन्दावन इन्क्लेव, डाण्डा लखौण्ड एवं

आस-पास सघन सर्च अभियान चलाकर गस्त की गयी एवं सुरक्षात्मक उपाय के तौर पर क्षेत्र में 02 पिंजरे एवं 08 ट्रैप कैमरा लगाये गये। साथ ही एनिमल विशेषज्ञ डा० दिप्ती अरोड़ा को भी उक्त क्षेत्र में टीम के साथ तैनात किया गया है।

पिछले दिनों में मसूरी वन प्रभाग, मसूरी की रायपुर रेंज अन्तर्गत आने वाले रिहायशी इलाकों में बेलगाम गुलदार द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के मध्येनजर डीएफओ, मसूरी वैभव सिंह के निर्देश पर 24 वन कर्मचारियो के दो दल गठित किये गये है जिसमे दो एनिमल डॉक्टर्स को भी तैनात किया गया है। उक्त टीमों द्वारा निरन्तर पुरूकुल गांव, सिंधली, आईटी पार्क आदि क्षेत्रों में सघन गस्त की जा रही है।

दिनांक 15.01.2024 को वृन्दावन एन्क्लेव, आई०टी० पार्क क्षेत्र में सी०सी०टी०वी० फुटेज में दिखाई दिये बेलगाम गुलदार के पश्चात विगत 02 दिनों में मसूरी वन प्रभाग की रायपुर रेंज के प्रभावित क्षेत्रों में गुलदार की उपस्थिति के कोई प्रमाण नही मिले, परन्तु सुरक्षात्मक उपाय के तौर पर मसूरी वन प्रभाग द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार हैः-

1-रायपुर रेंज के विभिन्न क्षेत्रों में 40 ट्रैप कैमरे एवं 10 पिंजरे लगाये गये है। इसके अतिरिक्त ड्रोन कैमरों की मदद से भी संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी की जा रही है।

2- मसूरी वन प्रभाग द्वारा इस अभियान हेतु मालसी में कंट्रोल रूम बनाया गया है जिसमें 24x7 निगरानी कर सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। कन्ट्रोल रूम का नं0-0135, 6617375 whatsapp नं० 8077508488 है।

3-रायपुर रेंज के विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता के लिए पोस्टर लगाये गये हैं एवं आवसीय सोसायटी, ग्राम-वासियों एवं जनप्रतिनिधियों से बैठकें की गई है तथा निरन्तर संपर्क स्थापित किया जा रहा हैं।

गुरूद्वारा श्री हेमकुंड साहिब ऋषिकेश में प्रकाश पर्व की धूम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 18 जनवरी , दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व, गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब ऋषिकेश में हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। गुरु पर्व की तैयारियां काफी जोर शोर से गुरुद्वारा ट्रस्ट द्वारा की गई थी। दिनांक 04 जनवरी से 16 जनवरी तक प्रतिदिन प्रभात फेरियां, गुरुद्वारा सिंह सभा ऋषिकेश से प्रारंभ हुईं और गुरबाणी कीर्तन व जयकारों के साथ नगर भ्रमण किया। दिनांक 15 जनवरी से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अखण्ड पाठ प्रारंभ हुए जो कि सुबह सम्पन्न हुए। गुरूद्वारा साहिब के सेवादारों द्वारा निशान साहिब चोले की सेवा भी की गई। गुरू पर्व के पावन अवसर पर कीर्तनीय रागी जत्था भाई हरदियाल सिंह व भाई कृपाल सिंह जी हजूरी रागी श्री दरबार साहिब अमृतसर तथा भाई गुरबचन सिंह 'लाली' जी रागी दिल्ली वालों द्वारा प्रस्तुत किए गए गुरबाणी कीर्तन से गुरू दरबार में उपस्थित संगतें निहाल हो गई। साथ ही गुरूद्वारा ट्रस्ट द्वारा संचालित गुरमत संगीत बाल विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी मनोहर गुरबाणी कीर्तन से संगतों को मंत्र मुग्ध किया। कथावाचक भाई गुरमेल सिंह जी ने भी गुरू महाराज से प्रेरित सिख इतिहास से जुड़ी कथाओं का व्याख्यान किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के समय गुरुद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा जी एवं सेक्रेटरी व

ट्रस्टी सरदार रविंदर सिंह जी भी उपस्थित रहे।

बिन्द्रा जी ने बताया कि ऋषिकेश नगर के अलावा हरिद्वार, बादशाहपुर, पुरू का टांडा खुशहालीपुर डालूवाला, कुड़कावाला, बुग्गावाला, औरंगाबाद, टीरा टोंगिया, लालवाला खालसा, लालवाला मजबता, हलजौरा, इनायतपुर, बुधवा शहीद, ब्रहामपुर, इब्राहिमपुर, डांडियो, बिहारीगढ़, हरिपुर, लक्कड़घाट, श्यामपुर, नूनावाला, छिद्दरवाला, लालतप्पड़, शेरगढ़, डोईवाला आदि इलाकों से हजारों की संख्या में आई संगतें गुरू दरबार में हाजिर हुईं तथा गुरूघर का लंगर रूपी प्रसाद ग्रहण किया। प्रकाश पर्व पर गुरूद्वारा परिसर को फूलों, विभिन्न प्रकार के सजावटी साजो सामान एवं लाईटों से भी सजाया गया। सिख धर्म से जुड़े अस्त्रों-शस्त्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इनके अलावा गत्तका पार्टी द्वारा दिखाए गए हैरत अंगेज करतब देखकर संगतें काफी उत्साहित व आश्चर्यचकित हुईं। रात्रि समय भी गुरु दरबार में उपस्थित संगतों ने गुरबाणी

कीर्तन का भरपूर आनंद लिया तथा सरोवर के पास दीये प्रकाशित किए गए एवं आतिशबाजी भी की गई जो कि संगतो के लिये आकर्षण क्षण रहा। गुरु पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में धार्मिक, शैक्षणिक, राजनीतिक एवं विभिन्न वर्गों की हस्तियां भी मौजूद रहीं। इनमें कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर श्री दिनेश चंद शास्त्री, उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती कुसुम कंडवाल, नगर निगम ऋषिकेश की मेयर अनीता ममगाईं, नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी, निर्मल आश्रम से संत बाबा राम सिंह महाराज जी उपस्थित हुए। इनके अलावा गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान गुरमेल सिंह, अजीत सिंह गोल्डी, गुरविंदर सिंह, महंत बलबीर सिंह, मंगा सिंह, बूटा सिंह, एस.एस. बेदी, उशा रावत, मनमोहन शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, हरीश धींगड़ा, विक्की सेठी आदि गणमान्य व्यक्तियों ने भी गुरू दरबार में नतमस्तक होकर गुरू महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।